


---

# Kashirajakritam Shri Ganeshapanchaka Stotram

——  
काशिराजकृतं श्रीगणेशपञ्चकस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Kashirajakritam Shri Ganeshapanchaka Stotram

File name : gaNeshapanchakastotraMkAshirAjakRRitam.itx

Category : ganesha, gaNeshapurANa, panchaka

Location : doc\_ganesha

Proofread by : Preeti Bhandare

Description/comments : shrIgaNeshapurANaM krIDA (uttara)khaNDaH | adhyAyaH 15 | 2.15 46-50||

Latest update : April 20, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 20, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

# Kashirajakritam Shri Ganeshapanchaka Stotram

---

## काशिराजकृतं श्रीगणेशपञ्चकस्तोत्रम्

---



नमोऽनन्तशक्ते गुणानामधीश नमोऽरिष्टहन्त्रे नमः सृष्टिकर्त्रे ।  
नमो विश्वपात्रे नमो विघ्नहन्त्रे नमो ज्ञानदात्रे नमोऽज्ञानहन्त्रे ॥ ४६ ॥

अकालप्रलयार्द्ध देव ! वीतिहोत्राज्जगत्पते ।  
लीलावतार ! दैत्योभ्यो रक्षिता लीलया त्वया ॥ ४७ ॥

कस्य सामर्थ्यमेतावद् वह्निं पातुं मडाभलम् ।  
भूगोलसदृशास्यं को हन्यादन्यो मडासुरम् ॥ ४८ ॥

मृतानां श्रुवनं को नु त्वदन्यः कर्तुमुत्सहेत् ।  
त्वमेव जननी देव ! त्वमेव जनकोऽविता ॥ ४९ ॥

मडाभाग्यं जनानां मे येन ते सन्निधिः कृतः ।

एति काशिराजकृतं श्रीगणेशपञ्चकस्तोत्रं सम्पूर्णात् ।

- ॥ श्रीगणेशपुराणं क्रीडा (उत्तर)भाषः । अध्यायः १५ । २.१५ ४६-५० ॥

- .. shrIgaNeshapurANaM krIDA (uttara)khaNDaH . adhyAyaH 15 . 2.15 46-50..

Proofread by Preeti Bhandare

---

*Kashirajakritam Shri Ganeshapanchaka Stotram*

pdf was typeset on April 20, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

